परीक्षण परियोजना अंतिम चरण में पहुंची, 31 दिसंबर तक काम पूरा होने की उम्मीद

लखनऊ में नए साल से 5जी सेवा

अच्छी खबर

नई दिल्ली | एजेंसियां

केंद्र सरकार नए साल में लखनऊ, दिल्ली, गुरुग्राम समेत 13 महानगरों और बड़े शहरों को 5जी सेवा की सौगात देने जा रही है। दूरसंचार विभाग ने सोमवार को एक बयान में कहा कि स्वदेशी 5जी परीक्षण परियोजना अंतिम चरण में पहुंच गई है। इसके 31 दिसंबर तक पूरा होने की उम्मीद है।

पहले चरण में 13 शहर: दूरसंचार विभाग की ओर से कहा गया कि वर्ष 2022 में देश में 5जी नेटवर्क को उपभोक्ताओं के लिए शुरू कर दिया जाएगा। पहले चरण में यह सुविधा दिल्ली, मुंबई, चेन्नई, कोलकाता, गुरुग्राम, चंडीगढ़, बेंगलुरु, जामनगर, अहमदाबाद, हैदराबाद, लखनऊ, पुणे और गांधीनगर में शुरू होगी।

सितंबर में मांगी थी सिफारिशें : इस साल सितंबर महीने में दूरसंचार विभाग ने दूरसंचार नियामक ट्राई से स्पेक्ट्रम की नीलामी, मुख्य रूप से आरक्षित मूल्य, बैंड योजना, ब्लॉक आकार, स्पेक्ट्रम की मात्रा आदि पर सिफारिशें मांगी थीं।

2018 में शुरू हुआ था काम: केंद्र सरकार की आत्मनिर्भर भारत पहल के तहत 5जी टेलीकॉम टेस्ट बेड परियोजना को वर्ष 2018 में शुरू किया गया था। इसके 31 दिसंबर 2021 तक पूरा होने की उम्मीद है। दूरसंचार विभाग ने इस परियोजना पर 224 करोड़ रुपये खर्च किए हैं।

क्या होता है टेस्ट बेड: टेस्ट बेड का मतलब उत्पादों अथवा सेवाओं के ट्रायल के लिए एक विशेष तरह का माहौल तैयार करने से है। इसमें हार्डवेयर, सॉफ्टवेयर, ऑपरेटिंग सिस्टम और नेटवर्क कॉन्फिगरेशन आदि शामिल हैं।

शीर्ष संस्थाएं शामिल : 5जी तकनीक पर आईआईटी बॉम्बे, दिल्ली, हैदराबाद, मद्रास, कानपुर के अलावा आईआईएससी बेंगलुरु, सोसाइटी फॉर एप्लाइड माइक्रोवेव इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग एंड रिसर्च और सेंटर ऑफ एक्सीलेंस इन वायरलेस प्रौद्योगिकी जैसी आठ एजेंसियां काम कर रही हैं।

36
महीनों से कार्यान्वयन एजेंसियां जुटी हैं प्रोजेक्ट में

224
करोड़ रुपये खर्च हो रहे हैं इस परियोजना पर

दस गुना बेहतर हो जाएगी गति

- एक अनुमान के मुताबिक 5जी स्पीड 4जी के मुकाबले करीब 10 गुना अधिक तेज है
- शिक्षा क्षेत्र, कृषि क्षेत्र को 5जी तकनीक से जबरदस्त फायदा होने की उम्मीद है
- एक बार में कई डिवाइस को इंटरनेट से जोड़ सकेंगे, बेहतर गति मिलेगी

अप्रैल तक नीलामी

5जी के नए स्पेक्ट्रम की नीलामी अगले वर्ष मार्च या अप्रैल में हो सकती है। 'आत्मनिर्भर भारत' पहल के तहत सरकार प्रौद्योगिकी जरूरतों को पूरा करने के लिए प्रोत्साहन दे रही है।

इनके पास स्पेक्ट्रम

दूरसंचार विभाग ने 5जी परीक्षण के लिए एयरटेल, रिलायंस जियो, वोडाफोन आइडिया, एमटीएनएल को स्पेक्ट्रम आवंटित किया है। परीक्षण में एरिक्सन, नोकिया, सैमसंग और मावेनिर भी शामिल हैं।

4जी से किस तरह अलग

5जी नई रेडियो टेक्नोलॉजी पर काम करेगा। 4जी नेटवर्क सामान्यत: स्मार्टफोन के लिए डिजाइन किया गया था। 5जी नेटवर्क ऐसा डिजाइन किया गया है ताकि ज्यादा जगहों और काम के लिए इसका इस्तेमाल हो सके। यह एक समय में कई अलग-अलग नेटवर्क के रूप में भी कार्य कर सकता है।

13
महानगरों और बड़े शहरों में शुरू होगी 5जी सेवा

एफडीआई में बढ़ोतरी

विभाग के अनुसार, दूरसंचार क्षेत्र में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) वर्ष 2014-21 के बीच करीब 150% बढ़ा है। वर्ष 2002 से 2014 में 62,386 करोड़ से बढ़कर यह 2014-21 के दौरान 1,55,353 करोड़ रुपये हो गया है।

ब्रॉडबैंड कनेक्शन बढ़े

ग्रामीण क्षेत्र में टेली घनत्व मार्च 2014 के 44 फीसदी से बढ़कर सितंबर 2021 में 59 फीसदी हो गया है। इसी तरह ब्रॉडबैंड कनेक्शन भी मार्च 2014 में 6.1 करोड़ के मुकाबले मार्च 2021 में बढ़कर 79 करोड़ से अधिक हो गए हैं। कोरोना काल में वर्क फ्राम होम का कल्चर शुरू होने के बाद ब्रॉड बैंड कनेक्शन की मांग बढ़ गई है। 5जी सर्विस आने के बाद उपभोक्ताओं को तेज गति से इंटरनेट की सुविधा मिलेगी और उनका काम आसान होगा।